NAV BHARAT JAGRITI KENDRA News Letter

नव भारत जागृति केन्द्र सूचना पत्र

NBJK

October - December, 2014 www.nbjk.org अक्टूबर - दिसम्बर, 2014

LNJP Eye Hospital: Restoring Sight for Rural India

India is the home to 23.5% of world's blind population. There are 285 million visually impaired and 15 million blind people here. 62% blind Indians are suffering from cataract only; with addition of 3 million new cases every year. In Jharkhand, the prevalence rate of blindness is 1.40% against national average of 0.8%. There is a large gap between the availability of eye care services and the need for such services in the state where 40% of the population is living below poverty line and 76% live in rural areas. In response, NBJK has started Loknayak Jaiprakash Eye Hospital in October 2005 at Bahera village (block-Chouparan, district-Hazaribag) where the organization was carved during early seventies under guidance of a mass leader like JP. Sightsavers, Kolkata was able to support this initiative and a long awaited dream was fulfilled to serve people more intensely. In April 2008, second unit of LNJPEH was initiated at Dumka in Santhal Pargana region of the state with support of CBM, Bangalore.

LNJPEH is a modern and well equipped, 120 bedded (100-Chouparan, 20-Dumka) hospital to afford quality eye care service at low cost. This is the only eye hospital in Jharkhand providing free or subsidized service to patients, mostly from rural areas. It has a good team of ophthalmologists and trained medical staffs. The hospital offers a wide range of eye care service which includes diagnosis and treatment at OPD, cataract surgery, correction of refraction error, treatment of DCR-DCT, pterizium, squint, child surgery, glaucoma, diabetic retinopathy, medical retina, yag laser treatment. Also it provides computerized eye testing at nominal charge, organizes school screening camps and makes available spectacles at subsidized rate. It covers around 2 million people of districts like Hazaribag, Koderma, Chatra, Giridih, Bokaro, Dhanbad, Ramgarh, Gaya, Aurangabad, Nawada and Nalanda in Jharkhand/Bihar. During 2013-14, LNJPEH has served 46,000 plus poor patients at OPD and ensured surgery for more than 9000 cataract patients. Within a short span of time from inception, it has catered 2, 36,510 eye patients and restored eye sight among 47,431 cataract patients with successful surgical treatment. More than 60% of cataract patients have received subsidized facilities. Support from Sightsavers, Second Sight, CBM, WDF, GiveIndia, DVC, NTPC, SBI, BOI, IDBI, Global Giving, NNNVMA and many individual donors has made this possible.

Very often, blind people become a different community and live awfully despite the fact that 80% of blindness is preventable or curable. With appropriate treatment, an immense difference can be made to both to the quality of life and economic prospects for visually impaired people. This is where LNJPEH plays an important role and realizes the integrated approach of development by NBJK.

लोकनायक जयप्रकाश आँख अस्पताल : गाँवों के लिए वरदान

विश्व के 23.5% दृष्टिहीन भारत में बसते हैं। यहाँ 28.5 करोड़ आबादी आँखों की समस्या से पीड़ित है और डेढ़ करोड़ जनता दृष्टिहीन है। भारत में अंधापन के 62% मामलों का कारण मोतियाबिन्द है, जिसके रोगियों की संख्या में प्रतिवर्ष 30 लाख नये रोगी जुड़ते हैं। झारखण्ड में दृष्टिहीनता प्रसार दर 1.40% है, जो इसके राष्ट्रीय औसत 0.8% से अधिक है और यहाँ नेत्र सुरक्षा सेवाओं की जरूरत व उपलब्धता के बीच बहुत बड़ा अंतर है। जबकि यहाँ 76% लोग ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं और 40% आबादी निर्धनता रेखा से नीचे है।

अक्टूबर 2005 में न०भा०जा० केन्द्र ने हजारीबाग जिला (झारखण्ड) के चौपारण प्रखंड स्थित बहेरा गाँव में लोकनायक जयप्रकाश आँख अस्पताल शुरू किया था, जहाँ 1970 के शुरूआती वर्षों में लोकनायक जयप्रकाश के दिशानिर्देश में संस्था का गठन हुआ था। साइटसेवर्स, कोलकाता के सहयोग से संस्था का यह चिरप्रतीक्षित सपना साकार हुआ ताकि ज्यादा बेहतर तरीके से जनसेवा हो सके। अप्रैल 2008 में लोकनायक जयप्रकाश आँख अस्पताल की दूसरी इकाई सी. बी. एम., बंगलोर के सहयोग से दुमका (संथाल परगना) झारखण्ड में प्रारंभ हुई।

यह तमाम सुविधाओं और उपकरणों से सज्जित एक आधुनिक अस्पताल है, जिसमें 120 बेड (चौपारण–100, दुमका–20) उपलब्ध हैं। **''कम खर्च में स्तरीय सेवा''** इसका ध्येय वाक्य है और झारखण्ड का यह एकमात्र आँख अस्पताल है, जहाँ रोगियों को मुफ्त/प्रायोजित और रियायती दर पर नेत्र सुरक्षा सेवाओं का लाभ मिलता है। इन नेत्र रोगियों में अधिकांश ग्रामीण क्षेत्रों से आते हैं। इस अस्पताल में नेत्र चिकित्सकों और प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की एक सक्षम टीम है और विभिन्न दृष्टिजनित रोगों के इलाज का यहाँ बेहतर प्रबंध है। ओपीडी में जाँच/चिकित्सा, मोतियाबिन्द, ऑपरेशन, रिफ्रैक्शन, डीसीआर–डीसीटी, नाखुना, ग्लुकोमा, भेंगापन, आँसू थैली, डाइबिटिक रेटिनोपैथी के इलाज और मेडिकल रेटिना, बच्चों की सर्जरी, याग लेजर चिकित्सा जैसे सुविधाओं के साथ यह आँख अस्पताल सम्बन्धित सेवाओं का एक महत्वपूर्ण केन्द्र बन चुका है। यहाँ नाम मात्र के खर्च पर कंप्यूटर की सहायता से नेत्र जाँच किया जाता है, अस्पताल द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों आयोजित नेत्र जाँच शिविरों के माध्यम से वृद्ध–निःशक्त ग्रामीणों/स्कूली बच्चों तक पहुँच बनायी जाती है और रियायती दर पर चश्मा भी उपलब्ध कराते हैं। लोकनायक जयप्रकाश आँख अस्पताल की सेवा झारखण्ड और बिहार में हजारीबाग, कोडरमा, चतरा, गिरिडीह, बोकारो, धनबाद, रामगढ़, गया, औरंगाबाद, नवादा, नालंदा आदि जिलों के लगभग 20 लाख नेत्र रोगियों तक पहुँचती है। वर्ष 2013–14 के दौरान अस्पताल द्वारा ओपीडी में 46 हजार से अधिक लोगों का इलाज और 9 हजार से अधिक मोतियाबिन्द पीड़ितों का ऑपरेशन हुआ। अपनी स्थापना के बाद इसने 2 लाख 36 हजार नेत्र रोगियों का इलाज और 47 हजार से ज्यादा मोतियाबिन्द रोगियों का ऑपरेशन कर उनके आँखों की ज्योति लौटायी है। 60% से अधिक मोतियाबिन्द रोगियों को रियायती या प्रायोजित चिकित्सा सेवा मिली है। इस काम में साइटसेवर्स, सेकंड साइट, सीबीएम, डब्ल्यूडीएफ, गिवइंडिया, डीवीसी, एनटीपीसी, एसबीआई, बीओआई, आइडीबीआई, ग्लोबल गिविंग, विवेकानंद मिशन जैसे दाता संस्थानों के साथ अनेक व्यक्तिगत दानकर्त्ताओं का सहयोग मिला है।

अक्सर दृष्टिहीन व्यक्तियों को एक अलग समुदाय की तरह देखा जाता है और वो जीवन की कठिनाइयों से जूझते हैं। जबकि तथ्य यह है कि दृष्टिहीनता के 80% मामले रोके जा सकते हैं अथवा उनका इलाज संभव है। उचित चिकित्सा से उनके जीवन में गुणात्मक अंतर आता है और दृष्टिहीनता या बाधित दृष्टि से पीड़ित लोगों के लिए आर्थिक अवसर उपलब्ध होते हैं। इस प्रकार न०भा०जा० केन्द्र के समेकित विकास की अवधारणा को जमीन पर उतारने में लोकनायक जयप्रकाश आँख अस्पताल की भूमिका महत्वपूर्ण है।

Lok Samiti Voices for Weaker Section

Manigachhee block unit of Darbhanga Zila Lok Samiti (Bihar) has submitted a memorandum to the Block Development Officer on behalf of landless communities like Musahar and Kanjar in the area. These people are still living in temporary houses without any stable livelihood. Mr. Vishwanath Mishra (President, District Lok Samiti) has said that 42 Musahar families living at the hamlet namely Fulwan Musahari under Katma Bahuarba panchayat of the block have no actual possession over the land they are distributed already by the government years ago with all necessary formalities. Likewise 59 Kanjar families settled in Chanaur panchayat could not get land acquisition papers and forced to live in incomplete dilapidated Indira Awas, he added. Mr. Mishra has questioned about "Pehchaan" scheme by the state government to identify people with derogatory occupation of begging and to improve their lives through skill development training as not even a single person in the block could be benefitted out of that. On 25 November, members of Lok Samiti and sufferer families have convened a meeting to draw attention over such crisis. Also they have raised issues like encroachment of Govt. land, child labour, school education, mushrooming liquor outlets, public amenities and regular flood that halt everything in season. The concerned memorandum was sent to higher officials and the governor also.

कमजोर वर्ग के समर्थन में लोक समिति

दरभंगा जिला (बिहार) लोक समिति की मनीगाछी प्रखंड इकाई ने प्रखंड विकास पदाधिकारी को भूमिहीन समुदाय की समस्याओं पर एक ज्ञापन सौंपा। प्रखंड में मुसहर–कंजर जाति के लोगों हेतु आवास तथा आजीविका का माँग करते हुए जिला लोक समिति के अध्यक्ष श्री विश्वनाथ मिश्र ने बताया कि कटमा बहुअरबा पंचायत अन्तर्गत फुलवन मुसहरी के 42 मुसहर परिवारों को वर्षों पहले सरकार से मिली जमीन का स्वामित्व हासिल नहीं है और चनौर पंचायत के 59 भूमिहीन कंजर परिवार आधे–अधूरे बने इंदिरा आवासों में रहने को बाध्य हैं। इन्होंने राज्य सरकार की ''पहचान'' योजना पर सवाल उठाया, जिसके तहत भीख मांगने वाले समुदाय की पहचान कर उन्हें व्यावसायिक प्रशिक्षण और आजीविका से जोड़ने की बात है। लेकिन प्रखण्ड में इसके लाभुक नहीं हैं। 25 नवम्बर को लोक समिति कार्यकर्त्ताओं और पीड़ित परिवारों ने एक बैठक आयोजित कर भूमिहीनों की समस्या पर सरकार का ध्यान आकृष्ट किया। इन्होंने सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा, बालश्रम, स्कूली शिक्षा, नये शराब बिक्री केन्द्रों, नागरिक सुविधा और प्रतिवर्ष बाढ़ जैसी समस्याओं को भी उठाया। सम्बन्धित ज्ञापन की प्रतियाँ राज्यपाल तथा उच्चाधिकारियों को भेजी गयी हैं।

Towards Food Self-reliance and Earnings

NBJK-Khunti has promoted SHG office bearers to sustainable agriculture with support of Axis Bank Foundation, Mumbai. This picked 75 leading members of 15 SHGs in 10 villages and provides them a comprehensive, regular training on agriculture from December'14. The objective is to train all groups ultimately with help of their members who are getting on farm training including water mapping, irrigation and pest control also. In another initiative of Ensuring Food Security & Livelihood with support of Sir Ratan Tata Trust, Mumbai, 22 households of Ulidih village under Barudih panchayat are facilitated to develop an upland patch of 7 acres for watermelon farming. They checked water from a local watercourse flowing near the experimental land to grow this unusual crop for villages of Khunti. Recently, the same target group has shown their performance in community tomato farming with a cumulative net profit of Rs. 2 lacs 36 thousand. This experience has motivated the group to switch over to a new range of agro product that was never produced here commercially. These farmers have received pump sets and other relevant inputs for watermelon farming. These are the new trends followed by tribal farmers for resource making and sustainable livelihood they need for self-reliance.

खाद्य आत्मनिर्भरता और आयवृद्धि की ओर

न०भा०जा० केन्द्र, खूंटी ने एक्सिस बैंक फाउन्डेशन, मुंबई के सहयोग से स्वमदद समूह की महिलाओं को स्थायी और आयपरक कृषि से जोड़ने का प्रयास किया है। इसमें 10 गाँवों के 15 महिला स्वमदद समूहों से 75 महिला पदाधिकारियों का चयन कर उन्हें खेती से जुड़े विभिन्न कार्य व्यवहारों का समुचित प्रशिक्षण दिया जा रहा है। दिसंबर'14 से शुरू इस कार्यक्रम में महिलाओं को जल मानचित्रण, किफायती सिंचाई और कीट नियंत्रण पर भी महत्वपूर्ण जानकारी मिली है। खूँटी में ही सर रतन टाटा ट्रस्ट, मुंबई के सहयोग से खाद्य सुरक्षा और आजीविका सम्बन्धी कार्यक्रम अन्तर्गत बारूडीह पंचायत के उलीडीह टोले में 7 एकड़ के एक टाँड़/ऊँचे भूखंड पर तरबूज की सामुदायिक खेती के प्रयास जारी हैं। किसानों के इस समूह ने हाल ही में टमाटर की भरपूर पैदावार से 2 लाख 36 हजार रूपये कमा कर एक उदाहरण पेश किया है। इस अनुभव से इन्हें खूँटी में तरबूज उपजाने की प्रेरणा मिली। न०भा०जा० केन्द्र की ओर से किसानों को सम्बन्धित जानकारी और पंपसेट उपलब्ध कराये गये हैं, ताकि उस जमीन के नजदीकी जल स्त्रोत का उपयोग हो सके। आदिवासी किसानों द्वारा कृषि सम्बन्धी इन नये प्रयोगों से उनमें खाद्य सुरक्षा के साथ–साथ आर्थिक लाभ की उम्मीद जगी है।

CCCD Churchu Activities

A number of activities was held under Plan India supported Child Centered Community Development (CCCD) program in Churchu block (Hazaribag) within this quarter. On 16 October, a training and demonstration on improved upland farming was conducted for 36 farmers. They enlisted suitable crops and have been provided technical inputs for the purpose. 58 farmers have received gram, mustard, pea, chilly seeds also. A football tournament was organized for boys and girls separately. This was participated by 22 boy and 15 girl teams during 15-18 October. On 14 November, Children's Day was celebrated by 1250 children at 20 schools and with Nagri village based Birhor children. Also 99 thousand shoes been distributed among school children of 7 blocks between Oct-Dec. In this period, 10 health camps in target villages have benefitted 610 patients mostly women, children, elders and adolescents through check ups and medicines. A baby show was organized to promote small child-mother health care and 50 mothers with their children have made this event successful. Dr. Kamlesh Kumar discussed to mothers upon nourishment, immunization, food pattern and breast feeding. On 19 December, training for adolescent girls on sexual & reproductive health and life skills was held and 52 participants have joined this knowledge sharing exercise. They were given important information on psychosomatic development, menstrual cycle and hygienic practices through the training.

बालकेन्द्रित सामुदायिक विकास कार्यक्रम की गतिविधियाँ

प्लान इंडिया के सहयोग से हजारीबाग जिला (झारखण्ड) के चुरचू प्रखंड में न०भा०जा० केन्द्र द्वारा क्रियान्वित बाल केन्द्रित सामुदायिक विकास कार्यक्रम अन्तर्गत इस तिमाही में अनेक गतिविधियों का आयोजन हुआ। 16 अक्टूबर को ऊँची/टाँड़ किस्म की कठिन जमीन पर उन्नत खेती संबंधी एक प्रशिक्षण शिविर में 36 किसानों ने भाग लिया। इसमें उपयुक्त फसलों के निर्धारण तथा अन्य सम्बन्धित जानकारियों के साथ–साथ 58 किसानों के बीच चना, सरसों, मटर, मिर्च बीजों का वितरण हुआ। 15–18 अक्टूबर के दौरान 22 किशोर और 15 किशोरी टीमों के लिए अलग–अलग फुटबॉल टूर्नामेंट आयोजन के साथ 14 नवम्बर को 20 विद्यालयों के 1250 बच्चों के बीच बाल दिवस मनाया गया। यह दिन नगरी गाँव के बिरहोर बच्चों के लिए भी महत्वपूर्ण बना। इसी अवधि में चुरचू सहित अन्य 6 प्रखण्डों में स्कूली बच्चों के बीच 99 हजार से अधिक जूतों का वितरण हुआ। क्षेत्र में 10 स्वास्थ्य जाँच शिविरों के माध्यम से 610 रोगियों का इलाज हुआ, जिनमें अधिकांश महिलाएँ, किशोरियाँ, बच्चे और वृद्धजन शामिल थे। बेबी शो द्वारा 50 माताओं–बच्चों की जाँच, स्वास्थ्य जागरूकता और प्रोत्साहन में डा० कमलेश कुमार का सहयोग मिला। 19 दिसम्बर को किशोरियों हेतु प्रजनन–यौन स्वास्थ्य सम्बन्धी प्रशिक्षण में 52 प्रतिभागियों को मनोदेहिक विकास, मासिक चक्र और स्वास्थ्यकर व्यवहारों की जानकारी दी गई।

Bihar State Lok Samiti Convention

Bihar State Lok Samiti has organized it's convention on 17 November at IMA Hall, Patna. Mr. Girija Satish (President, National Lok Samiti) was the chief guest of this program. He has termed existing development system as ineffective one and called to focus upon individual who can get all needed facilities to grow with support of the system and shoulders accountability at the same time. Mr. Girija was suspicious about the objective and outcomes of the welfare schemes like Mid-day meal, Aanganwadi center, highly subsidized ration etc. in their present format and advocated for cash transfer. Decentralized governance, justice delivery and development through empowered PRIs & urban bodies will add to our democracy if we get rid of corrupt practices in election, he pointed out. Mr. Girija Satish was for launching a mandatory citizen insurance scheme by the government to meet people's emergency needs. He urged to save youngsters from drug/liquor addiction and to involve them with useful technical training after class 10th to follow "Earn and learn". The convention was chaired by Mr. Vijay Kumar (President, Bihar State LS) who expressed his concern over youths as the hope for India. Mr. K G Azad (Coordinator, National LS) has briefed about non-political and constructive approach of LS to counter social evils, fanaticism and centralized policies while Mr. Shivji Singh (General Secretary, Bihar LS) has outlined the resolutions on right to PRIs, judicial reform, farmers' income, land/home to landless and communal harmony later passed unanimously. Mrs. Kranti Rashosh, Prof. Somnath Tripathi, Mr. Vidyabhushan Singh, Md. Nizamuddin and many other dignitaries have addressed the audience.

बिहार प्रदेश लोक समिति का सम्मेलन

पटना के आइ०एम०ए० हॉल (गाँधी मैदान) में 17 नवम्बर को बिहार प्रदेश लोक समिति का राज्य सम्मेलन आयोजित हुआ। बतौर मुख्य अतिथि इसे सम्बोधित करते हुए श्री गिरिजा सतीश (अध्यक्ष, राष्ट्रीय लोक समिति) ने वर्तमान विकास तंत्र को अप्रभावी बताते हुए इसके केन्द्र में व्यक्ति को रखे जाने का आग्रह किया ताकि उसे अपने पूर्ण विकास हेतु व्यवस्था का सहयोग मिले और वह जिम्मेवार भी बने। इन्होंने मध्याह्न भोजन, आँगनबाड़ी और रियायती दर पर अनाज वितरण जैसी योजनाओं के उद्देश्य–उपलब्धियों पर सवाल उठाते हुए लाभुकों को नकद सहायता दिये जाने की सिफारिश किया। विकेन्द्रीकृत शासन, न्याय तक पहुँच और सशक्त पंचायती राज संस्थाओं/नगर निकायों द्वारा विकास से एक मजबूत लोकतंत्र का रास्ता खुलेगा यदि हम चुनावी भ्रष्टाचार से मुक्ति पा लें, श्री गिरिजा सतीश ने कहा। इन्होंने सरकार की ओर से एक व्यापक और अनिवार्य नागरिक बीमा योजना को लोगों की आकस्मिक आवश्यकता पूर्ति के लिए जरूरी बताया और कहा कि नशाखोरी के चंगुल में फँसी हमारी युवा पीढ़ी को दसवीं कक्षा के बाद तकनीकी प्रशिक्षण द्वारा आजीविका से जोड़ना होगा ताकि ''कमाओ और पढ़ो'' की नीति से उन्हें सही रास्ते पर लाया जा सके। सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे श्री विजय कुमार (अध्यक्ष, बिप्रलोस) ने युवाओं को भारत की भविष्य बताते हुए उनके मार्गदर्शन को महत्वपूर्ण बताया। श्री कौशल गणेश आजाद (समन्वयक, रालोस) ने लोक समिति की गैरराजनीतिक और सकारात्मक सोच द्वारा सामाजिक बुराईयों, धर्मान्धता और केन्द्रीकृत नीतियों के बरक्स एक बेहतर समाज बनाने की चुनौतियों का जिक्र किया। श्री शिवजी सिंह (महासचिव, बिप्रलोस) ने पंचायती राज संस्थाओं को अधिकार, न्यायिक सुधार, किसानों के हित, भूमिहीनों को घर/जमीन, साम्प्रदायिक सद्भाव सम्बन्धी प्रस्तावों की जानकारी दिया, जिन्हें सम्मेलन द्वारा सर्वसम्मति से पारित किया गया। इस अवसर पर श्रीमती क्रान्ति राशोष, प्रो० सोमनाथ त्रिपाठी, श्री विद्याभूषण सिंह, मो० निजामुद्दीन समेत विभिन्न वक्ताओं ने भी अपना–अपना विचार व्यक्त किया।

Events at LBHC Bodhgaya

Lord Buddha Home for Children, Bodhgaya has witnessed many colorful events during this quarter of the year. On 3rd October i.e. Durga Puja, all 69 children have enjoyed local exposure visit with sweets-snacks and toys. Happy Birthday of Mrs. Ine Buma (Patron, LBHC) was celebrated on 16th October with full fun and joy by the children on 16th October while they rejoiced Diwali on 23rd October. On 14th November, LBHC children have performed a variety of staging on occasion of Children's Day and an awareness campaign by RTC trainees took place on 1st December as AIDS day. On 27th December, LBHC run Rozgar Training Center has organized a farewell-cum- welcome ceremony for outgoing 10th batch and newly enrolled 11th batch students in the premises. The program was graced with presence of Mr. Nasim Ahmad Khan (President, Lions Club-Bodhgaya), Mr. Satchidananda (Senior Lawyer) and Dr. Abhishek Mrinal. They have distributed certificates of merit among passing out trainees and hailed new entrants. RTC provides 3 months vocational training on computer (BCA, Tally & DTP), mobile repairing, sewing, hospitality and beautician to youths from about 20 nearby villages. The medical center at LBHC has provided treatment to 333 general patients, 134 dental patients and pathological check up for 52 ailing persons within the period.

लॉर्ड बुद्धा होम फॉर चिल्ड्रेन, बोधगया से.....

इस तिमाही के दौरान न०भा०जा० केन्द्र द्वारा संचालित अनाथालय लॉर्ड बुद्धा होम फॉर चिल्ड्रेन में बच्चों द्वारा मनाये गये अनेक उत्सवों की धूम रही। 03 अक्टूबर को दुर्गा पूजा के अवसर पर सभी 69 बच्चों ने मिठाई और खिलौनों के साथ मेला घूमने का आनंद उठाया। 16 अक्टूबर को होम की संरक्षिका श्रीमती इने बुमा का 70 वाँ जन्मदिन यहाँ के बच्चों द्वारा धूमधाम से मनाया गया। 23 अक्टूबर को इन्होंने परिसर में गणेश–लक्ष्मी पूजन उपरान्त पटाखे फोड़े और फुलझड़ियों की रोशनी बिखेरी। 14 नवम्बर को बाल दिवस के अवसर पर बच्चों की रंगारंग प्रस्तुतियाँ आकर्षण का केन्द्र रहीं। 01 दिसम्बर को विश्व एड्स दिवस पर एल बी एच सी द्वारा संचालित रोजगार प्रशिक्षण केन्द्र के प्रशिक्षुओं ने आस–पास के गाँवों में जागरूकता रैली निकाल चेतना जागरण का काम किया। 27 दिसम्बर को इस केन्द्र से प्रशिक्षण प्राप्त 10वें बैच की विदाई और 11वों बैच के नये प्रशिक्षुओं को स्वागत किया गया। इस अवसर पर लॉयन्स क्लब, बोधगया के अध्यक्ष नसीम अहमद खान, पूर्व अध्यक्ष डा० अभिषेक मृणाल और वरीय अधिवक्ता सच्चिदानंद द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं को प्रमाण–पत्र देकर सम्मानित किया गया। ज्ञात हो कि इस रोजगार प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा कम्प्यूटर (बीसीए, टैली, डीटीपी) मोबाइल मरम्मत, सिलाई, आतिथ्य सत्कार और सौंदर्य प्रसाधन जैसे कौशलों में तीन माह का प्रशिक्षण दिया जाता है। 20 पड़ोसी गाँवों के युवा इस प्रशिक्षण केन्द्र के लाभुक हैं। एल बी एच सी स्वास्थ्य केन्द्र द्वारा इस अवधि में 333 रोगियों और 134 दंत रोगियों का इलाज किया गया, जबकि 52 रोगियों की पैथोलॉजिकल जाँच की गई।

Care for Carers

If someone cares for elders, mentally or physically challenged family member, seeks appreciation definitely but this is not enough. We rarely think upon the problems of such caring people and this indifference may deteriorate the quality of service, one pays to such people in difficult situation, pointed out Dr. Anil Patil (Founder & Executive Director, Carers Worldwide, UK) during a meeting with NBJK project team at Ranchi on 5-6 November. He said that by ignoring these silent carers, we cause drastic consequences like sickness of caretakers, disturbed family dynamics and ultimately a negative milieu that affects the very objective of our work. Dr. Patil has offered support to those who take care of their dependent family members and appealed for

लाचार परिजनों की देखभाल करने वालों को मदद

यदि कोई अपने परिवार में बुजुर्ग, मानसिक रोगी या शारीरिक रूप से लाचार सदस्य की देखभाल करते हैं तो निश्चय ही वह प्रशंसा के पात्र हैं लेकिन सिर्फ इतना ही काफी नहीं होता। ऐसी परिचर्या करने वालों की समस्या पर हम शायद ही कभी सोचते हैं और इस वजह से कठिन परिस्थितियों में अपनी सेवा दे रहे लोगों के काम की गुणवत्ता गिरती है, यह विचार केयरर्स वर्ल्डवाइड, यूके के संस्थापक और कार्यकारी निदेशक डा० अनिल पाटिल ने व्यक्त किया, जब वह न०भा०जा० केन्द्र की परियोजना टीम के साथ 6–7 नवम्बर को न०भा०जा० केन्द्र, राँची में बैठक कर रहे थे। इन्होंने कहा कि मौन सेवादारों की उपेक्षा कर हम खुद उनकी अस्वस्थता, बिगड़े पारिवारिक समीकरण और अंततः किसी लाचार की तीमारदारी के खिलाफ एक नकारात्मक माहौल पैदा कर देते हैं, जिससे सेवा

advocacy to promote these people with linking them with IGAs, facilities, training, rights and social dignity. They should be treated like a separate right group and deserve improved lives, he said to team members. Mr. Rajeev Singh (Project Manager) has informed that within next 3 years, NBJK will identify and organize 500 such carers in Hazaribag district those take care for their old aged, disabled or mentally ill parents or family members. They would be provided all possible support according to resources and this would be an issue for our advocacy campaign, he added. Other team members like Md. Nayeem, Sujit Mishra, Kamalkant Pandey, Vimla Rana and Pratima Devi were present in the meeting.

Inaugural Ceremony of Sustainable Livelihood Program

Mr. C. Babu Joseph (Trustee & CEO, ABF) has inaugurated Sustainable Livelihood Program of skill development among youths by NBJK with support of Axis Bank Foundation, Mumbai. He has called Jharkhand as an important state for the foundation and embraced NBJK as a reliable partner. Mr. Joseph has appreciated the next program of sustainable livelihood for youths to enable them with different vocational skills and said that ABF runs such programs with 1% income of Axis Bank and staff donation to make changes in lives of more than 1 million people every year. He expressed concern over human values and life skills also. Mr. Jaison Jacob (Asst. Vice President, ABF) has offered best wishes and all possible support. On this occasion, Mr. Satish Girija (Secretary, NBJK) has welcomed all guests and briefed them about the program. There are training centers at Hazaribag, Ranchi, Jamshedpur, Dhanbad, Dumka, Deoghar, Koderma, Khunti and Ramgarh with 3 months practical training facilities on computer software/hardware, cell phone servicing, bedside patient attendant, beautician, driving, agriculture, electrician, call centre, tailoring etc. for each batch. He shared the plan to prepare 5400 skilled youths per year with 70% placement target. Mr. Rajesh Jha (Head, Axis Bank-Patna Circle) has valued the program for humanitarian approach. Other dignitaries like Mr. G. Venkateshwar Rao (Asst. GM, SBI), Mr. Rajesh Singh (Chief Manager, LIC), Mr. Akhilesh Jha (Manager, Axis Bank-Hazaribag), Dr. (Mrs.) Vandana, Dr. Hiralal Saha, Mr. Ajay Jain and Mr. Girija Satish (President, NBJK) have blessed the event held on 29 November at Hazaribag.

प्रदान करने का हमारा मुख्य उद्देश्य प्रभावित होता है। डा० पाटिल ने इन देखरेख करने वालों के लिए प्रोत्साहन और प्रशिक्षण के साथ–साथ स्थायी आजीविका अधिकार और सम्मान दिये जाने को जरूरी बताया। टीम सदस्यों से इन्होंने ऐसे लोगों को एक अलग अधिकार समूह के रूप में देखने का आग्रह किया ताकि उनकी जिन्दगी भी बेहतर बन सके। बैठक में शामिल परियोजना समन्वयक राजीव सिंह ने बताया कि अगले तीन वर्षों ने न०भा०जा० केन्द्र द्वारा हजारीबाग जिला में ऐसे 5000 घरेलू परिचारकों/परिचारिकाओं की पहचान कर उन्हें संगठित किया जाएगा, जो अपने वृद्ध–लाचार परिजनों की देखभाल करते हैं। इन्होंने कहा कि उपलब्ध संसाधनों के अनुसार उन्हें हर संभव सहायता की जाएगी और वो हमारे जनवकालत अभियान का हिस्सा बनेंगे। केयरर्स वर्ल्डवाइड के साथ हुई बैठक में विमला राणा, प्रतिभा देवी, सुजीत मिश्र, कमलाकांत पाण्डेय और मो० नईम आदि टीम सदस्यगण शामिल थे।

सतत आजीविका कार्यक्रम का उद्‌घाटन

29 नवम्बर को हजारीबाग में एक्सिस बैंक फाउंडेशन, मुंबई के सहयोग से प्रारंभ सतत आजीविका कार्यक्रम का उद्‌घाटन फाउंडेशन के ट्रस्टी तथा मुख्य कार्यकारी श्री सी० बाबू जोसेफ ने किया। उन्होंने झारखण्ड को ए०बी०एफ० की भावी गतिविधियों हेतु एक महत्वपूर्ण राज्य मानते हुए न०भा०जा० केन्द्र को विश्वस्त सहयोगी संस्थान की संज्ञा दिया। युवाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण के माध्यम से आजीविका उपलब्ध कराने वाली इस परियोजना की प्रशंसा करते हुए श्री जोसेफ ने कहा कि एक्सिस बैंक की 1% आय तथा इसके कर्मियों के दान से प्रतिवर्ष 10 लाख लोगों के जीवन में बदलाव के प्रयास जारी हैं। इन्होंने मानवीय मूल्यों और जीवन कौशल को महत्वपूर्ण माना। एक्सिस बैंक फाउंडेशन के सहायक अध्यक्ष श्री जयसन जैकब ने उद्‌घाटित परियोजना के प्रति शुभकामनाएँ व्यक्त करते हुए इसे हर संभव सहायता मिलने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर न०भा०जा० केन्द्र के मंत्री श्री सतीश गिरिजा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए उन्हें सतत आजीविका कार्यक्रम से परिचित कराया, जिसमें राज्य के 9 शहरों–हजारीबाग, राँची, जमशेदपुर, धनबाद, दुमका, देवघर, कोडरमा, खूँटी और रामगढ़ में रोजगार प्रशिक्षण केन्द्रों के माध्यम से युवाओं को कम्प्यूटर (सॉफ्टवेयर, हार्डवेयर) मोबाईल फोन मरम्मत, बेडसाइड पेशेंट एटेंडेंट, ब्यूटीशियन, ड्राइविंग, कृषि, बिजली मरम्मत, कॉल सेन्टर, टेलरिंग जैसे कौशलो में 3 माह का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इन्होंने आशा व्यक्त किया कि प्रतिवर्ष 5,400 युवाओं को कौशल प्रशिक्षण तथा उनमें कम से कम 70% को आजीविका से जुड़ने में सफलता मिलेगी। श्री राजेश झा (प्रमुख, एक्सिस बैंक, पटना सर्किल) ने इस कार्यक्रम को मानवीय सरोकारों से जुड़ी पहल बताया। उद्‌घाटन समारोह में सर्वश्री जी० वेंकटेश्वर राव (सहायक महाप्रबंधक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया), राजेश सिंह (मुख्य प्रबंधक, जीव बीमा निगम), अखिलेश झा (प्रबंधक, एक्सिस बैंक, हजारीबाग) अजय जैन, डा० बंदना, डा० हीरालाल साहा तथा गिरिजा सतीश (अध्यक्ष, न०भा०जा० केन्द्र) शामिल थे।

CASE STUDY

Grandma Blesses

Mrs. Paku Kisku (75), wife of late Chunka Baski, lives in village-Jaipur, Raja Simariya under Jarmundi block of Dumka district. She is an elderly poor widow lady suffering from cataract for several years and became dependent upon others due to reduced eyesight. One day in the last week of January, his son was informed about eye screening camp in the village school where one can avail eye check up facility free of cost. He persuaded his old aged mother to attend the camp as she was unable to see properly but seemed reluctant to bother others for herself. After check up, it was diagnosed that Paku Kisku has developed cataract in both of her eyes and she is in dire need of the surgery to remove the problem. She was counseled for that and was invited to Loknayak Jaiprakash Eye Hospital (LNJPEH), Dumka for her operation. On 29 January, her cataract surgery took place successfully. She was given spectacle and medicines with no charge as a sponsored patient. Within the stipulated time frame, Paku Kisku was recovered with improved eyesight and can see comfortably. This is a lifetime event that enabled her to observe the things or people around her more vividly. Also this made her active, watchful and with self respect to lead a graceful life as a senior citizen. She blesses the doctor and hospital staff repeatedly.

दादी माँ का आशीष

श्रीमती पाकू किस्कू (75 वर्ष), पति–स्व० चुनका बास्की, ग्राम–जयपुर राजा सिमरिया, प्रखंड–जरमुंडी, जिला दुमका (झारखण्ड) पिछले कई वर्षों से मोतियाबिन्द से पीड़ित थीं। यह बूढ़ी गरीब विधवा अपनी कमजोर नजरों की वजह से दूसरों पर निर्भर रहती थीं। जनवरी के अंतिम सप्ताह में इनके गाँव के स्कूल पर लोकनायक जयप्रकाश आँख अस्पताल, दुमका की ओर से नेत्र जाँच शिविर का आयोजन किया गया। इसकी जानकारी जब पाकू किस्कू के बेटे को मिली तो उसने माँ को इस शिविर में आँख जाँच करवाने के लिए मनाया, क्योंकि किसी संभावित ऑपरेशन की बात सुनकर वह डर गयी थीं और खुद के लिए दूसरों को परेशान भी नहीं करना चाहती थीं। जाँच से पाकू किस्कू की आँखों में मोतियाबिन्द की पुष्टि हुई। इनको समझा–बुझा कर जयप्रकाश आँख अस्पताल, दुमका बुलाया गया और 29 जनवरी'14 को सर्जरी से इनके मोतियाबिन्द को सफलतापूर्वक हटा दिया गया। दान से प्रायोजित इस ऑपरेशन में पाकू किस्कू का कुछ खर्च नहीं हुआ। अब इनके देखने की क्षमता में काफी सुधार है और जिन्दगी बेहतर बनी है। पाकू किस्कू पहले से ज्यादा सक्रिय, सजग और आत्मविश्वासी हुई हैं। लोकनायक जयप्रकाश आँख अस्पताल के डॉक्टरों और मेडिकल टीम के लिए इनके दिल में सिर्फ दुआएँ हैं।

परिकल्पना : **श्री गिरिजा सतीश**
प्रस्तुति : **विनय भट्ट**
नव भारत जागृति केन्द्र, संयोजन कार्यालय,
ग्राम – अमृतनगर, पो. कोर्रा,
जिला हजारीबाग (झारखण्ड) द्वार प्रकाशित
दूरभाष: 06546 – 263332, +91 9835751159
ई मेल: nbjkco@gmail.com; vinaynbjk@gmail.com

To,

KALRA 98357 11566